



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

11/6/86

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 291]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 13, 1986/ज्येष्ठ 23, 1908

No. 291]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 13, 1986/JYAISTHA 23, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 13 जून, 1986

अधिसूचना

सं. 340/सीमा-शुल्क/86

सं० का० नि० 853(अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, इस अधिसूचना के उपाक्षेप में विनिर्दिष्ट माल को (जिसे इसमें इसके पश्चात् "माल" कहा गया है), जब उसका भारत में आयात कोर्चन (केरल राज्य) स्थित, कोर्चन निर्यात प्रसंस्करण जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् "जोन" कहा गया है) जिसमें पैरा 5 में विनिर्दिष्ट सर्वेक्षण संख्यांक वाले स्थान समाविष्ट हैं और जो उस पैरा में दं गई सीमाओं से घिरा है, के अन्तर, यूनिटों द्वारा भारत के बाहर निर्यात के लिये माल का उत्पादन करने के लिये या भारत के बाहर निर्यात के लिये माल के उत्पादन या पैकिंग के संबंध में उक्त उपयोग करने के लिये या ऐसे निर्यात का संप्रवर्तन करने के

लिये किया जाये, सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) का पहला अनुसूचा के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण सीमाशुल्क और पश्चात्पूर्वी वर्णित अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क से, यदि कोई हो, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात् :—

- आयातकर्ता को उस जोन में विनिर्माणकारी यूनिट या यूनिटें स्थापित करने के लिये प्राधिकृत किया गया है ;
- आयातकर्ता को माल का आयात करने के लिये आवश्यक अनुज्ञप्ति मंजूर कर दं गई है ;
- आयातकर्ता जोन के विकास आयुक्त का यह समाधान कर देता है कि इस प्रकार आयातित माल का उपयोग भारत के बाहर निर्यात के लिये माल का उत्पादन करने या भारत के बाहर माल के निर्यात के लिये माल का उत्पादन या पैकिंग करने या माल के ऐसे निर्यात का संप्रवर्तन करने के संबंध में किया जायेगा ;
- आयातकर्ता ऐसे प्ररूप में और ऐसी रकम के लिये, जो जोन के विकास आयुक्त द्वारा विहित की जाये, एक बंधपत्र निष्पादित करने के लिये करार करता है जिसमें वह निर्यात बाध्यकर्ताओं

का पालन करने और अन्य बातों के साथ-साथ, इस अधिसूचना में अनुबंधित शर्तों का पालन करने के लिये स्वयं को बाध करता है ;

(v) आयातकर्ता करार करता है कि वह,—

(क) माल जोन में लायेगा और जोन के अन्दर उसका उपयोग, भारत के बाहर निर्यात के लिये माल का उत्पादन करने या भारत के बाहर माल के निर्यात के लिये माल का उत्पादन या पैकिंग करने या माल के ऐसे निर्यात का संप्रवर्तन करने के संबंध में करेगा ;

(ख) इस प्रकार उत्पादित या पैक किये गये सभी माल का यथास्थिति, भारत बाहर निर्यात करेगा या कर्मचारों को प्रशिक्षण देने के लिये ऐसे माल का उपयोग करेगा या ऐसे माल (या पैकेजों) का उक्त जोन में विक्रय करेगा ;

(ग) ऐसे उत्पादन या पैकिंग से प्रोद्भूत सभी अवशिष्टों का जोन के विकास आयुक्त द्वारा अनुमोदित रीति से निर्यात या व्ययन करेगा ;

(vi) आयातकर्ता माल के आयात, उपयोग और उपयोग का तथा उसके द्वारा किये गये निर्यात का समुचित लेखा रखेगा, और ऐसा लेखा समय-समय पर जोन के विकास आयुक्त को ऐसे प्रारूप में और ऐसी रीति से प्रस्तुत करेगा जो उक्त आयुक्त द्वारा अधिकथित की जाए ;

(vii) आयातकर्ता, मांग की जाने पर निम्नलिखित माल पर उद्धर्णीय शुल्क के बराबर रकम का संदाय करेगा, अर्थात् :—

(क) ऐसे माल पर जो ऐसा पूंजी माल है जिसके बारे में सीमा-शुल्क कलक्टर के समाधानप्रद रूप में यह साबित नहीं होता है कि वह माल,—

(i) जोन के अन्दर संस्थापित किया गया या अन्यथा उपयोग में लाया गया है या उसके आयात की तारीख से एक वर्ष के भीतर या बढ़ाई गई ऐसी अवधि के भीतर जिसे सीमाशुल्क कलक्टर, अपना यह समाधान हो जाने पर कि जोन के भीतर उसका उपयोग न किये जाने या उक्त अवधि के भीतर उसका पुनः निर्यात न किये जाने का पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, पुनः निर्यात किया गया है ;

(ii) जोन के भीतर संस्थापन या उपयोग के पश्चात् जोन के भीतर प्रतिधारित किया गया है ;

(ख) पूंजी माल से भिन्न ऐसे माल पर जिसके बारे में सीमाशुल्क कलक्टर के समाधानप्रद रूप में यह साबित नहीं होता है कि वह माल,—

(i) भारत के बाहर निर्यात के लिये (जोन के भीतर) माल के उत्पादन या माल के पैकिंग या माल के ऐसे निर्यात का संप्रवर्तन करने के संबंध में उपयोग किया गया है या उसके आयात की तारीख से एक वर्ष के भीतर या बढ़ाई गई ऐसी अवधि के भीतर जिसे सीमाशुल्क कलक्टर, अपना यह समाधान हो जाने पर कि उक्त अवधि के भीतर उसका उपयोग न किये जाने या उसका पुनः निर्यात न किये जाने का पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, पुनः निर्यात किया गया है ;

(ii) भारत के बाहर निर्यात करने के लिये माल का उत्पादन या पैकिंग करने या माल के ऐसे निर्यात का संप्रवर्तन

करने के संबंध में जाने के भीतर प्रतिधारित किया गया है ;

(ग) इस प्रकार उत्पादित या पैक किये गये ऐसे माल पर जिसे भारत के बाहर निर्यात नहीं किया गया है या ऐसे अप्रयुक्त माल पर [जिसके अन्तर्गत ऐसे खाली ढांचे (कोन), पिरकी और आधान, यदि कोई हों, आते हैं जो बार-बार उपयोग के लिये उपयुक्त हैं] जो ऐसे माल के निर्यात की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या बढ़ाई गई ऐसी अवधि के भीतर जिसे सीमाशुल्क कलक्टर, अपना यह समाधान हो जाने पर कि उक्त अवधि के भीतर ऐसे माल का निर्यात न किये जाने के लिये पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, निर्यात नहीं किया गया है ;

(viii) सीमाशुल्क कलक्टर, ऐसे शर्तों और निर्बंधनों के अधीन रहते हुए, जो वह अधिरोपित करे, किसी आयातित माल या उसके उत्पादित या पैक किये गये माल को मरामत, प्रसंस्करण या प्रदर्शन करने के लिये, शुल्क के संदाय के बिना, इतराई रूप से जोन से बाहर ले जाने की आज्ञा दे सकेगा और आयातकर्ता ऐसी शर्तों और निर्बंधनों का पालन करने के लिये बाध होगा ;

(ix) सीमाशुल्क कलक्टर के समाधान के अधीन रहते हुए, निम्न-लिखित माल को बाहर शुल्क उद्धर्णीय नहीं होगा, अर्थात् :—

(क) ऐसा माल जो आयातकर्ता, उसके कर्मचारों या अभिकर्ता के जानबूझकर किये गये कार्य, उपेक्षा या व्यतिक्रम के कारण से अन्यथा खोया या नष्ट हुआ है ;

(ख) ऐसा माल जिसका आयातकर्ता, उसके कर्मचारों या अभिकर्ता के जानबूझकर, किये गये किसी कार्य, उपेक्षा या व्यतिक्रम के कारण से अन्यथा नुकसान या अवक्षय हुआ है और इस लिये वह जोन के भीतर माल के उत्पादन या पैकिंग में प्रयोग के लिये उपयुक्त नहीं है ;

(ग) ऐसे उत्पादन के अनुक्रम में निकलने वाला स्क्रैप या अपशिष्ट पदार्थ, यदि ऐसा स्क्रैप या अपशिष्ट पदार्थ ऐसा मात्रा तक है, जो केन्द्रीय सरकार इस निमित्त विनिर्दिष्ट करे, और जो जोन के भीतर नष्ट किया जाये ;

(घ) जोन में उत्पादित यह पैक किये गये माल के नमूने जिन्हें सीमाशुल्क कलक्टर, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो वह इस निमित्त विनिर्दिष्ट करे, परीक्षण के लिये जोन बाहर भेजे जायें और परीक्षण के दौरान काम में आ जायें ;

(ङ) जोन के भीतर अध्ययन या डिजाइन के लिये आयातित माल के नमूने, जो विनिर्माण संक्रियाओं के अनुक्रम में टूट गये हैं और जिनका वाणिज्यिक मूल्य नगण्य हो गया है ;

(च) ऐसा माल जिसका जोन के भीतर कर्मचारों को प्रशिक्षण देने के लिये प्रयोग किया जाये या जोन के भीतर किसी विनिर्माता द्वारा जोन के भीतर किसी अन्य विनिर्माता को, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए और ऐसे बन्धपत्र के निष्पादन पर विक्रय किया जाये जो सीमाशुल्क कलक्टर इस बात को सुनिश्चित करने के लिये विहित करे कि इस प्रकार विक्रय किया गया माल भारत से बाहर निर्यात के लिये माल के उत्पादन या पैकिंग या माल के ऐसे निर्यात का संप्रवर्तन करने के संबंध में उपयोग में लाया जायेगा ;

(छ) जोन के भीतर विनिर्मित माल जो मरम्मत, प्रसंस्करण या प्रदर्शन के लिये अस्थायी रूप से जोन से बाहर ले जाने के लिये अनुज्ञात किया जाता है।

2. निम्नलिखित माल की बाबत, निर्यात के रूप में, पूर्ववर्ती पैरा की शर्त (i) के अजीन, हिजाब देने की अपेक्षा नहीं की जायेगी, अर्थात्:—

(क) (i) ऐसा माल जिसका आयातकर्ता, उसके कर्मचारी या अधिकर्ता के जानबूझकर किये गये किसी कार्य, उपेक्षा या व्यतिक्रम से अन्वेषण, नुकसान या अक्षय्य हुआ है और इसलिये जो जोन के भीतर माल के उत्पादन में प्रयोग के लिये उपयुक्त नहीं है, यदि ऐसा माल जोन के भीतर नष्ट किया जाता है या भारत के किसी अन्य भाग में प्रयोग के लिये, ऐसे शुल्क के बराबर संदाय करने पर जो माल पर उद्ग्रहणीय होता यदि माल ठीक दशा में आयातित किया गया होता, जिसकी जोन से निकामी की जाती है; या

(ii) जोन के भीतर माल के उत्पादन के दौरान निकलने वाला स्क्रैप या अपशिष्ट पदार्थ यदि वह जोन के भीतर नष्ट किया जाता है या भारत के किसी अन्य भाग में प्रयोग के लिये ऐसे शुल्क के बराबर शुल्क का संदाय करने पर जो माल पर उद्ग्रहणीय होता यदि वह उस रूप में आयातित किया गया होता, जिसकी जोन से निकामी की जाती है;

परन्तु यदि उक्त माल के उत्पादन या पैकिंग के अनुक्रम में निकलने वाले स्क्रैप या अपशिष्ट पदार्थ की प्रतिशतता भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० 14/12/82 ई.पी.जे. तारीख 30-1-1984 द्वारा नियुक्त किये गये कोचीन निर्यात प्रसंस्करण जोन बोर्ड द्वारा इस निमित्त नियत की गई प्रतिशतता से अधिक है तो, मूल मामग्री पर, जिसमें उक्त स्क्रैप या अपशिष्ट पदार्थ निकला है, उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर शुल्क, ऐसी अधिक मात्रा पर, प्रभाविता किया जायेगा;

(ख) बार-बार उपयोग किये जाने योग्य खाली जोन, किंरकियां या आधान माल, जिनकी जोन से निकाली, ऐसे माल का भारत से आयात करने समय उस पर उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर शुल्क का संदाय करके, भारत के किसी अन्य भाग में उसके प्रयोग के लिये की जाती है;

(ग) जोन के अन्दर माल के उत्पादन के अनुक्रम में निकलने वाली विनियमों, कागज की कतरों और अपशिष्ट पैकिंग सामग्री, जब उसे जोन के सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार किसी सीमाशुल्क अधिकारी के अक्षय्य में नष्ट किया जाता है।

3. इस अधिसूचना में अंतर्निहित किसी बात के होते हुए भी,—

(क) इसमें दी गई छूट उस माल को भी लागू होगी जिसका भारत में आयात किये जाने पर जोन के भीतर उत्पादित या विनिर्मित या पैक किये गये उत्पाद-शुल्क्य माल के उत्पादन या विनिर्माण या पैकिंग के संबंध में उपयोग किया जाता है और भले ही उसका भारत से बाहर निर्यात नहीं किया जाता है किन्तु जिसे भारत में किसी अन्य स्थान को, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन ऐसे उत्पाद-शुल्क्य माल पर उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क का संदाय करके, समय-समय पर यथा संशोधित आयात और निर्यात नीति—मार्च, 1985 से अप्रैल, 1988 तक की पुस्तक (जिल्द 1) के अर्धबद्ध 15 के अधीन और उसके अनुसार, तथा ऐसी मात्रा तथा अन्य परिसीमाओं और शर्तों के अधीन रहते हुए जो जोन के निर्यात आयुक्त द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट की जायें, ले जाया जाता है।

(ख) इसमें दी गई छूट उस माल को भी लागू होगी जिसका भारत में आयात किये जाने पर जोन के भीतर उत्पादित या विनिर्मित या पैक किये गये उत्पाद-शुल्क्य माल के, जो अस्थायी प्रकृति का उत्पाद-शुल्क्य माल है, उत्पादन या विनिर्माण या पैकिंग के संबंध में उपयोग किया जाता है, और ऐसा उत्पाद-शुल्क्य माल, भले ही उसका भारत के बाहर निर्यात नहीं किया जाता, किन्तु जिसे इस प्रकार उत्पादित या विनिर्मित या पैक किये गये उत्पाद-शुल्क्य माल के पाँच प्रतिशत की सीमा तक, या ऐसी अन्य सीमा तक जो उक्त कोचीन निर्यात प्रसंस्करण जोन बोर्ड द्वारा नियत की जाये, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन ऐसे उत्पाद-शुल्क्य माल पर उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क का संदाय करके, भारत में विक्रय के लिये अनुज्ञात किया जाता है।

4. इस अधिसूचना में अंतर्निहित किन्हीं अन्य उपबन्धों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, जहाँ सीमा-शुल्क कलक्टर के समाधान प्रब रूप में यह दर्शाया जाता है कि,—

(क) जोन के किसी यूनिट को जोन से हटाने की अनुज्ञा दी गई है या जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान में, तत्समय प्रवृत्त भारत सरकार की आयात-निर्यात नीति के अनुसार, किसी पूंजी माल का ध्वनन करने की अनुज्ञा उक्त कोचीन निर्यात प्रसंस्करण जोन बोर्ड द्वारा दी गई है; और

(ख) इस प्रकार अनुज्ञात संबंधित पूंजी माल का उपयोग तीन वर्ष से अल्पतम अवधि के भीतर किया गया है,

तो सीमाशुल्क कलक्टर ऐसे पूंजी माल को जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को ले जाने की अनुज्ञा, ऐसे पूंजी माल के उसकी निकासी के समय तथा उनके आयात के समय प्रवृत्त दर पर, ऐसे पूंजी माल पर उसके अक्षय्यित मूल्य पर उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर रकम का संदाय करने पर दे सकेगा।

5. इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ केरल (राज्य) स्थित कोचीन निर्यात प्रसंस्करण जोन में वे स्थान समाविष्ट होंगे जिनके सर्वेक्षण सं०, अवस्थिति, क्षेत्रफल नीचे दिये गये हैं और जो नीचे विनिर्दिष्ट सीमाओं से घिरे हैं:—

अवस्थिति:—केरल राज्य, जिला अर्नाकुलम, तालुक कथानूर, ग्राम: थिरुकाकारा वक्षिण। सिविल लाइन (जिला कलक्टर और जिला कार्यालयों के भवन) में एक किलोमीटर, नगर से 8 किलोमीटर और विमान पत्तन तथा बन्दरगाह से 20 किलोमीटर।

क्षेत्रफल: 41.7058 हेक्टेयर

सर्वेक्षण संख्या:

166/1-3	167/1-19	169/9
166/1-4	167/1-20	169/10
166/2ए1	168/1	169/11
166/2ए2	168/1-6	169/12
166/2ए7	168/1-7	169/13
166/2ए8	168/2	169/14
166/2बी-1	168/3	169/15
166/2बी-2	168/4	169/16
166/2बी-3	168/5	169/17
167/1-2	168/8	169/18
167/1-3	168/9	169/19
167/1-4	168/10	169/20
167/1-5	168/11	169/21
167/1-6	168/12	169/22

167/1-7	168/13	169/23
167/1-8	169/14	169/24
167/1-9	169/1-4	169/25
167/1-10	169/2	170/1-1
167/1-12	169/3	170/1-2
167/1-17	169/7	170/2-1
167/1-18	169/8	170/2-2
170/2-3	171/3-5	197/4-16
170/2-4	171/3-6	197/4-18
170/2-5	171/3-7	197/5-4
170/3	171/4-1	197/6-1
170/4ए1	171/4-2	197/6-2
170/4ए2	171/4-3	197/6-3
170/4बी	171/4-4	197/6-4
171/1ए-1	171/5ए1	197/7-1
171/1ए-2	171/5ए2	197/7-3-18
171/1ए-3	171/5बी	197/7-4-19
171/1-ए-4	197/1-77-2	200/7-1
171/1बी-1	197/1-77-3	200/7-2
171/1बी-2	197/1-77-4	200/7-3
171/1बी-3	197/1-77-5	200/7-4
171/2	197/1-79	200/8ए1
171/3-1	197/1-81-2	200/8ए2
171/3-2	197/4-1	200/8बी
171/3-3	197/4-2	200/9
171/3-4	197/4-3	

उपायमय	
क.सं.	माल का वर्णन
1	2
1.	मशीनरी
2.	कच्ची सामग्री
3.	संघटक
4.	मशीनरी के फालतू पुर्जे
5.	खपने वाली सामग्री
6.	पैक करने की सामग्री
7.	कार्यालय उपस्कर, फालतू पुर्जे और उनकी खपने वाली सामग्री
8.	विदेशी जेता द्वारा परिवान लेने में असफल होने के कारण या मरम्मत के लिए जोन से निर्यात की तारीख से एक वर्ष के भीतर पुनः आयातित माल।
9.	घीजार, जिग, गेज, फिक्सचर और उपसाधन।
10.	विकास और विधिता के लिए आद्यप्रारूप, तकनीकी और व्यापार नमूने।
11.	डाइंग, ब्लूप्रिंट और चार्ट।

[सं. 340 सीमा शुल्क/86-फा.सं. 305/32/86-एफ टी टी]

दीवाल का वर्णन (जिलके अन्तर्गत लंबाई और ऊंचाई भी है) :

जोन का यह क्षेत्र ईटों से बनी हुई दीवाल से घिरा हुआ है जिसकी ऊंचाई, स्थल की दशा के अनुसार, 3.30 मीटर से 6.00 मीटर तक भिन्न भिन्न है जिस पर 1.2 मीटर की भुजा लंबाई तक "Y" कोण के कांटेदार तार की फैनसिंग संवधत ऊपर की ओर 0.9 मीटर की ओर ऊंचाई तक है। यह दीवाल क्षेत्र के उत्तर पूर्व कोने से पश्चिम में 104.5 मीटर तक जाती है और उसके आगे दक्षिण-पश्चिम 271.5 मीटर, आगे दक्षिण में 211.6 मीटर, आगे पश्चिम में 150.6 मीटर, आगे दक्षिण की ओर 227.8 मीटर, आगे पूर्व की ओर 87.7 मीटर, आगे दक्षिण की ओर 236.3 मीटर, आगे पूर्व की ओर 47.7 मीटर, आगे उत्तर की ओर 184.3 मीटर, आगे पूर्व की ओर 119.7 मीटर, आगे उत्तर की ओर 22.8 मीटर, आगे पूर्व की ओर 42.2 मीटर, आगे पूर्व की ओर 42.2 मीटर, आगे उत्तर की ओर 17.5 मीटर, आगे पूर्व की ओर 48.8 मीटर, आगे दक्षिण की ओर 42 मीटर, आगे पूर्व की ओर 33.8 मीटर, आगे दक्षिण की ओर 50.7 मीटर, आगे पूर्व की ओर 182.4 मीटर, आगे उत्तर पूर्व की ओर 273 मीटर, और उसके उत्तर की ओर 661.8 मीटर तक एरम्पन्नम कलमसेरी सड़क के, जो निर्माणाधीन है, समाप्तान्तर जाती है और इस प्रकार सीमा दीवाल की कुल परिधि 3022.2 मीटर है।

‘सीमायें’

सीमा जिसकी अपनी सीमायें हैं, पूर्ण में एरम्पन्नम-कलमसेरी सड़क, उत्तर और पश्चिम में एरम्पन्नम सड़क और दक्षिण पूर्व में एरम्पन्नम कलमसेरी सड़क से थुयियूर तक बौराहा और दक्षिण में तिजी भूमि और धान के खेत।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 13th June, 1986.

NOTIFICATION

No. 340-CUSTOMS/86

G.S.R. 853(E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods specified in the Annexure to this notification (hereinafter referred to as the goods), when imported into India for the production of goods for exports out of India or for being used in connection with the production or packaging of goods for exports out of India or for the promotion of such exports by units within the COCHIN EXPORT PROCESSING ZONE, COCHIN (KERALA STATE) (hereinafter referred to as the Zone) comprising of places bearing the survey numbers and enclosed by the boundaries specified in paragraph 5 from the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and the additional duty, if any, leviable thereon under section 3 of the second-mentioned Act, subject to the following conditions, namely:—

- (1) the importer has been authorised to establish a manufacturing unit or units in the Zone;

- (ii) the importer has been granted necessary licence for the import of goods;
- (iii) the importer satisfies the Development Commissioner of the Zone that the goods so imported will be used for the production of goods for exports out of India or in connection with the production or packaging of goods for export out of India or with the promotion of such exports of goods;
- (iv) the importer agrees to execute a bond in such form and for such sum as has been prescribed by the Development Commissioner of the Zone binding himself to fulfil the export obligations and to fulfil, inter alia the conditions stipulated in this notification;
- (v) the importer agrees :—
 - (a) to bring the goods into the Zone and use them within the Zone for the production of goods for exports out of India or in connection with the production or packaging of goods for export out of India or with the promotion of such exports of goods;
 - (b) to export out of India, all goods so produced or packaged or to use such goods for imparting training to workers or to sell such goods (or packages) within the Zone, as the case may be;
 - (c) to export or dispose of in the manner approved by the Development Commissioner of the Zone all remnants arising out of such production or packaging;
- (vi) the importer shall maintain a proper account of import consumption and utilisation of goods and of exports made by him, and shall submit such account periodically to the Development Commissioner, of the Zone in such form and in such manner as may be laid down by the said Commissioner;
- (vii) the importer shall pay, on demand, an amount equal to the duty leviable :
 - (a) on goods which are capital goods as are not proved to the satisfaction of the Collector of Customs to have been :—
 - (i) installed or otherwise used within the Zone or re-exported within a period of one year from the date of importation thereof or within such extended period as the Collector of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them within the Zone or for not re-exporting them within the said period, allow;
 - (ii) retained within the Zone after installation or use inside the Zone;
 - (b) on goods other than capital goods as are not proved to the satisfaction of the Collector of Customs to have been :—
 - (i) used in connection with the production or packaging of goods (within the Zone) for export out of India or with the promotion of such export of goods or re-exported within a period of one year from the date of importation thereof or within such extended period as the Collector of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them or for not re-exporting them within the said period allow;
 - (ii) retained within the Zone in connection with the production or packaging of goods for export out of India or with the promotion of such exports of goods;
 - (c) on goods so produced or packaged as have not been exported out of India and on unused goods (including empty cones; bobbins or containers, if any suitable for repeated use) as have not been exported, within a period of one year from the date of importation of such goods or within such extended period as the Collector of Customs may on being satisfied that there is sufficient cause for not exporting such goods within the said period, allow;
- (viii) the Collector of Customs may, subject to such conditions and limitations as may be imposed by him, permit any goods imported or goods produced or packaged therefrom to be taken outside the Zone temporarily without payment of duty for repairs, processing or display and the Importers shall be bound to comply with such conditions and limitations; subject to the satisfaction of the Collector of Customs, duty shall not be leviable in respect of the following goods, namely :—
 - (a) goods lost or destroyed not due to any wilful act, negligence or default of the importer, his employee or agent;
 - (b) goods damaged or deteriorated not due to any wilful act, negligence or default of the importer, his employee or agent and therefore, not suitable for use in the production of goods or packaging within the Zone;
 - (c) scrap or waste material arising in the course of such production if such scrap or waste material is within such limits as may be specified in this behalf by the Central Government and destroyed within the Zone;

(d) samples of goods produced or packaged in the Zone which are allowed by the Collector of Customs to be sent for test outside the Zone subject to such conditions as he may specify in this behalf and which are consumed in the course of such test;

(e) samples of goods imported for study or design within the Zone, which in the course of manufacturing operations have been broken up and rendered insignificant in commercial value;

(f) goods used for imparting training to workers within the Zone or goods sold by a manufacturer within the Zone to another manufacturer inside the Zone subject to such conditions, and the execution of such bonds, as may be specified by the Collector of Customs for ensuring that the goods so sold will be used in connection with the production or packaging of goods for export out of India or with the promotion of such export of goods;

(g) goods manufactured in the Zone and which are allowed to be taken outside the Zone temporarily for repairs, processing or display.

2. The following goods will not be required to be accounted for under condition (vi) of the preceding paragraph by way of export namely :—

(a) (i) goods damaged or deteriorated not due to any wilful act, negligence, or default of the importer, his employee or agent and therefor not suitable for use in the production of goods within the Zone, if destroyed within the Zone or if cleared from the Zone for use in any other part of India on payment of the duty equal to that leviable on the goods if imported in sound conditions; or

(ii) scrap or waste material arising in the course of production of goods within the Zone, if destroyed within the Zone or if cleared from the Zone for use in any other part of India on payment of the duty equal to that leviable on the goods if imported in that form;

Provided that if the percentage of scrap or waste material arising in the course of production or packaging of the said goods exceeds the percentage fixed in this regard by the COCHIN EXPORT PROCESSING ZONE BOARD appointed by the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 14(15)/82-EPZ, dated 30-1-1984 the duty equal to that leviable on the mother material, out of which the said scrap or waste material has arisen, shall be charged on the excess quantity;

(b) empty cones, bobbins or containers, suitable for repeated use, and cleared from the Zone for use in any other part of India on

payment of the duty equal to that leviable on such goods at the time of their importation into India;

(c) chindies, paper cuttings and the waste packing material arising in the course of production of goods within the Zone, when destroyed under the supervision of an officer of customs in accordance with the procedure specified in this behalf by the Collector of Customs of the Zone.

3. Notwithstanding anything contained in this Notification :

(a) the exemption contained herein shall also apply to those goods which on importation into India are used in connection with the production or manufacture or packaging of excisable goods produced or manufactured or packaged within the Zone and such excisable goods even if not exported out of India but brought to any other place in India under and in accordance with Appendix 15 of the Import and Export Policy Book for March, 1985 to April, 1988 (Volume I) as amended from time to time, and subject to the quantity and such other limitations and conditions as may be specified in this behalf by the Export Commissioner of the Zone on payment of duty of excise leviable on such excisable goods under section 3 of the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944);

(b) the exemption contained herein shall also apply to those goods which on importation into India are used in connection with the production or manufacture or packaging of excisable goods, being the excisable goods in the nature of rejects, produced or manufactured or packaged within the Zone and such excisable goods even if not exported out of India but are allowed to be sold in India upto a limit of five per cent of the excisable goods so produced or manufactured or packaged or such other limit as may be fixed by the said COCHIN EXPORT PROCESSING ZONE BOARD on payment of duty of excise leviable on such excisable goods under section 3 of the Central Excises and Sault Act, 1944 (1 of 1944).

4. Without prejudice to any other provisions contained in this notification, where it is shown to the satisfaction of the Collector of Customs—

(a) that any unit in the Zone has been allowed to withdraw from the Zone, or has been permitted to dispose of any capital goods outside the Zone in any other place in India, in accordance with the Import-Export Policy of the Government of India for the time being in force, by the said COCHIN EXPORT PROCESSING ZONE BOARD; and

- (b) that the concerned capital goods so permitted have been used within the Zone for a period of not less than three years.

The Collector of Customs may allow such capital goods to be taken outside the Zone to any other place in India on payment of an amount equal to the duty leviable on such capital goods on the depreciated value thereof at the time of clearance and at rates in force at the time of their import.

5. For the purpose of this notification, the COCHIN EXPORT PROCESSING ZONE, COCHIN (KERALA STATE), shall comprise of the places bearing the survey numbers, location, area and enclosed by the boundaries specified below :—

Location

State of Kerala. Ernakulam, District, Taluk Kanayannur, Village : Thrikkakara South. One Kilometre south of Civil Lines (Buildings of the District Collectorate and District Offices), 8 Km. from the town and 20 Km. from the Airport and Harbour.

AREA : 41.7058 Hectares

SURVEY NOS.

166/1-3	167/1-19	169/9
166/1-4	167/1-20	169/10
166/2 A1	168/1	169/11
166/2 A2	168/1-6	169/12
166/2 A7	168/1-7	169/13
166/2 A8	168/2	169/14
166/2 B-1	168/3	169/15
166/2 B-2	168/4	169/16
166/2 B-3	168/5	169/17
167/1-2	168/8	169/18
167/1-3	168/9	169/19
167/1-4	168/10	169/20
167/1-5	168/11	169/21
167/1-6	158/12	169/22
167/1-7	168/13	169/23
167/1-8	168/14	169/24
167/1-9	169/1-4	169/25
167/1-11	169/2	170/1-1
167/1-12	169/3	170/1-2
167/1-17	169/7	170/2-1
167/1-18	169/8	170/2-2
170/2-3	171/3-5	197/4-16
170/2-4	171/3-6	197/4-18
170/2-5	171/3-7	197/5-4
170/3	171/4-1	197/5-1
170/4A1	171/4-	197/6-2
170/4A2	171/4-3	197/5-3
170/4B	171/4-4	197/6-4
171/1A-1	171/5A1	197/7-1
171/1A-2	171/5A2	197/7-3-18
171/1A-3	171/5B	197/7-4-19
171/1A-4	197/1-77-1	200/7-1
171/B-1	197/1-77-3	200/7-2
171/1B-2	197/1-77-4	200/7-3
171/1B-3	197/1-77-5	200/7-4

171/1B-4	197/1-78	200/7-5
171/2	197/1-79	200/8A1
171/3-1	197/1-81-2	200/8A2
171/3-2	197/4-1	200/8B
171/3-3	197/4-2	200/9
171/3-4	197/4-3	

Description of the Wall (Including Length, Height)

This area of the zone is enclosed by masonry brick wall to a height varying from 3.30 m to 6.00 m depending upon the site condition, with 1.2 m arm length 'Y' angled barbed wire fencing for a further vertical height 0.9 m, extending from the north-east corner of the area which runs upto 104.5 m towards west and then 271.5 m towards south-west, then 211.6 m towards south, then 156.6 m towards west, then 227.8 m towards south, then 87.7 m towards east, then 236.3 m towards south, then 47.7 m towards east, then 184.3 m towards north, then 119.7 m towards east, then 22.8 m towards north, then 42.2 m towards east, then 17.5 m towards north, then 48.4 m towards east, then 42 m towards south, then 33.8 m towards east, then 50.7 m towards south, then 182.4 m towards east, then 273 m towards north-east and then for 661.8 m towards north running parallel to the Irumpanam-Kalamassery road under construction covering a total circumference of 3022.3 m of compound wall.

Boundaries

The zone area has its boundaries, Irumpanam-Kalamassery road on the east, Thuthiyur road on the North and West and a cross road from the Irumpanam-Kalamassery road to Thuthiyur on the South-East and private lands and paddy fields on the south.

ANNEXURE

Sl. No.	Description of Goods
(1)	(2)
1.	Machinery.
2.	Raw Materials.
3.	Components.
4.	Spare parts of machinery.
5.	Consumables.
6.	Packaging materials.
7.	Office equipments, spares and consumables thereof.
8.	Good re-imported within one year from the date of exportation from the Zone due to the failure of the foreign buyer to take delivery or for repairs.
9.	Tools, Jigs, Gauges, Fixtures and Accessories.
10.	Prototypes, technical and trade samples for development and diversification.
11.	Drawings, Blueprints and charts.

अधिसूचना

सं. 341/86-सीमा शुल्क

NOTIFICATION

No. 341/86-CUSTOMS

मा.का.नि. 854 (अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1986 (1986 का 23) के धारा 49 की उपधारा (4) के साथ पठित, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 312-सीमाशुल्क, तारीख 13 मई, 1986 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में क्र.सं. 264 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात्, निम्नलिखित क्रमसं. और प्रविष्टियां अंतःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

“265 सं. 340/86-सीमा शुल्क, तारीख 13 जून, 1986” ।

[क्र.सं. 305/32/86-एफ टी टी]

सुनील कुमार, भवर सचिव

G.S.R. 854(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 49 of the Finance Act, 1986 (23 of 1986), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 312-Customs dated the 13th May, 1986, namely :—

In the Schedule to the said notification, after Serial No. 264 and the entry relating thereto, the following Serial No. and entries shall be inserted, namely :—

“265 No. 340/86-Customs, dated the 13-6-86.”

[F. No. 305/32/86-FTT]

SUNIL KUMAR, Under Secy.